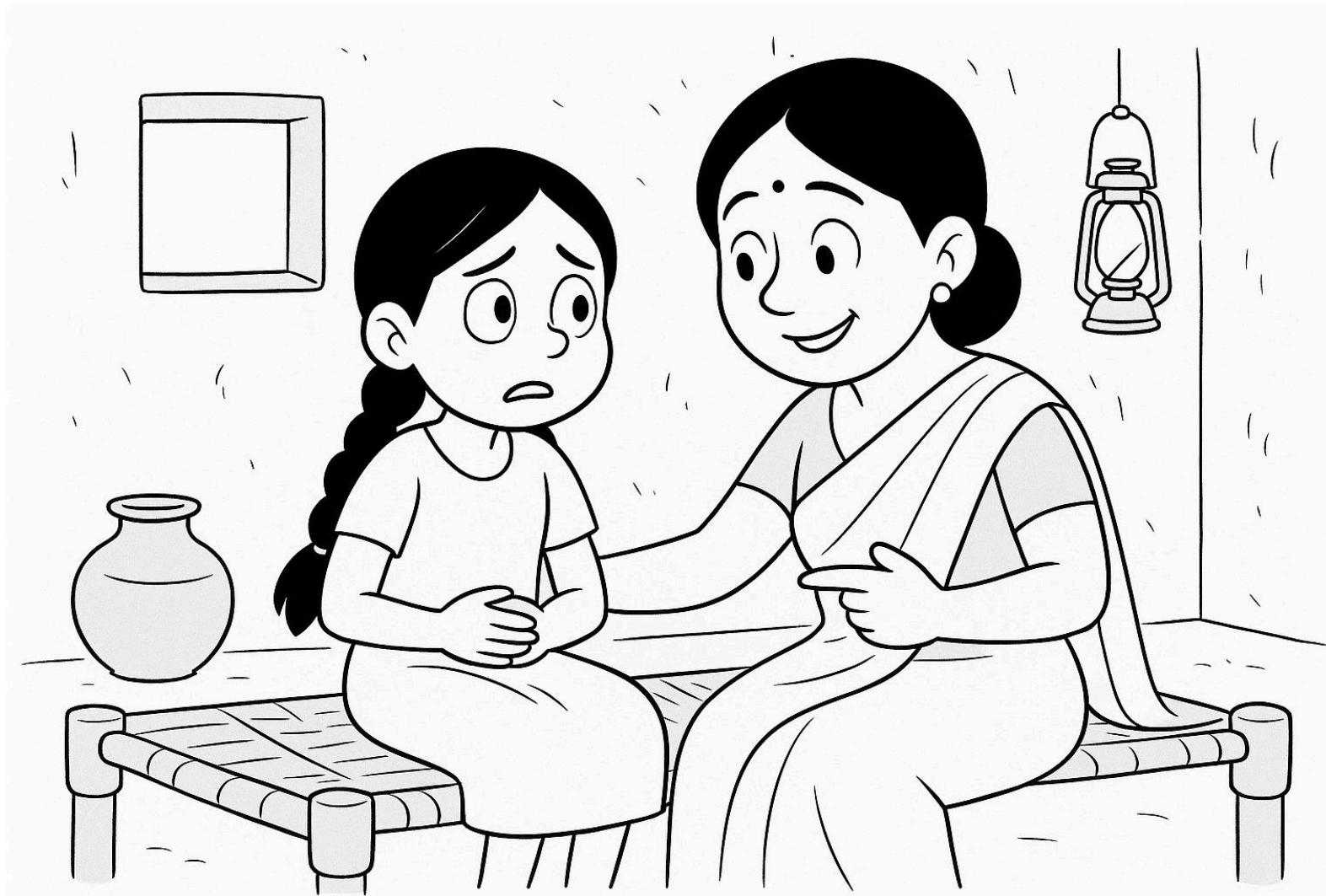


मीनै रौ दौरम आणै कौइ शौरीर स्वस्थ रौयै



मीनै रौ दौरम आणै कौइ शौरीर स्वस्थ रौयै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

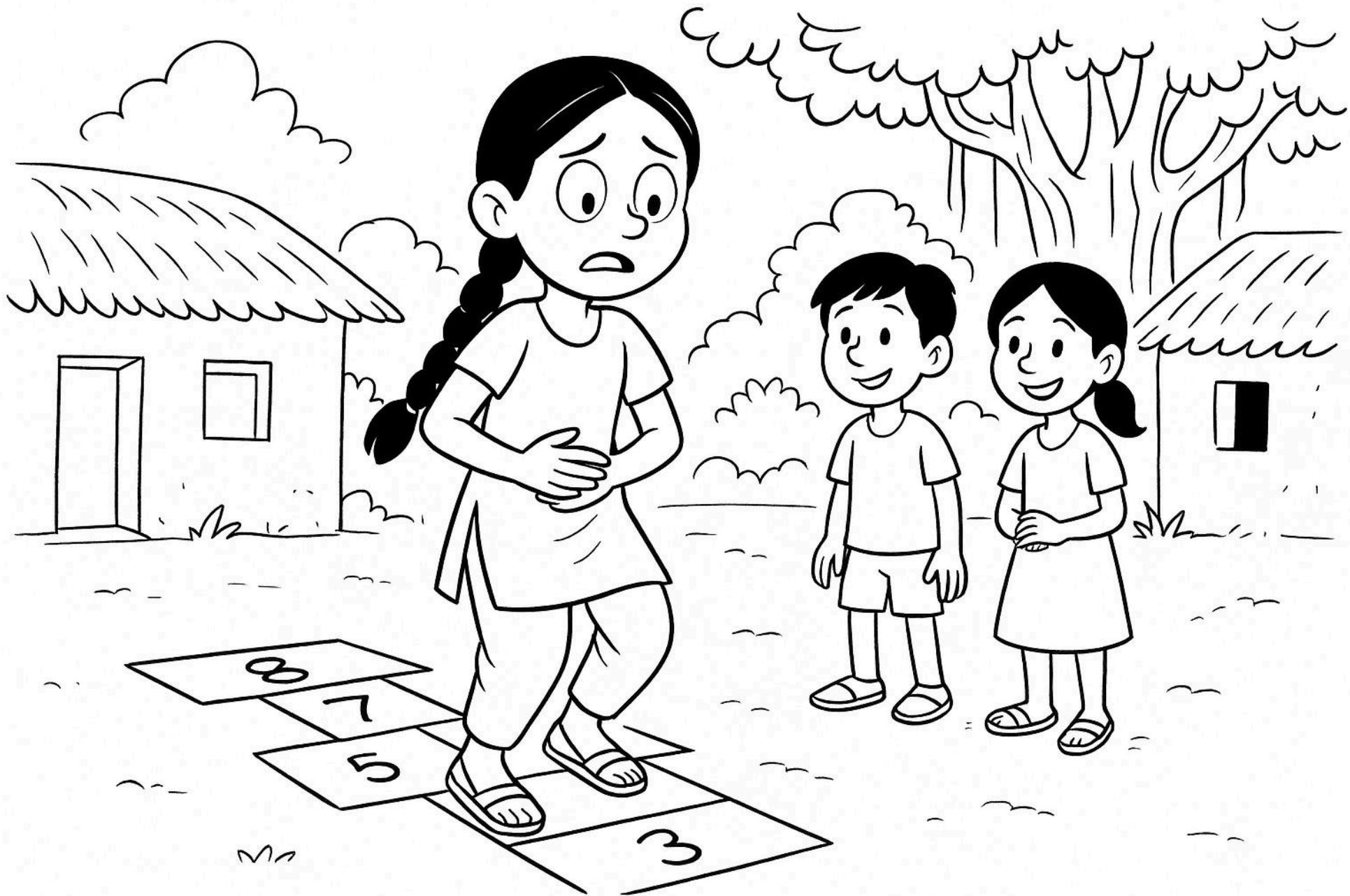
Big book in Bangani language
Community based Book

प्रकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बढ़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकि जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद ॥



एक गाउँ दि रीता नौऊँ री एक लौड़की रौयै
थी। सै आपड़ी सैऽलीउँ रै साथे रौइ थी
खेलदि लागी। कुदरती तिरौ पेट दुखदै
लागौ, सै तेतकौइ आपड़े गौरे डेइ तियै
आपड़ी आमा आरी बोलौ, कि कुछु गड़बड़
रौ लागदै लागी।



रीता री आमाइ तिंकै गिण देइ औज़ि बोलौ
कि एऊ एशौइ औयै केलाकि ताउँकै एत्रा
कौइ मीनै रौ दौरम री शुरुआरी औई गोइ।
रीता बौरी रौई थी डौरी पर तिंरी आमाइ सै
सैमज़ाइ कि लौड़किउँ कै एशेशौ औन्दु रौयै
केलाकि ऐबै तु बौड़ी ऊई गोई।



औज़ि तिंरी आमाइ बोलौ कि एऊ मीनै रौ
दौरम रौरीर री प्राकृतिक प्रक्रिया, एऊ हर
मीने दि गर्भाशय कौइ खुन आशै । औज़ि
एसकौइ शौरीर स्वस्थ रौयै । रीताइ एज़ि सारी
बुशै दियान कौइ शुणी ।



तिंरी आमाइ तिंकै सैनिटरी पैड देणौ औज़ि
एशौ बी बोझौ कि एसरौ इस्तेमाल केशौ
कौरिण। एस पैडेइ साफ कौच्छे दि लायै।
एस लाइयौ खून बारै जुड़कौउं दि ना लागदौ।



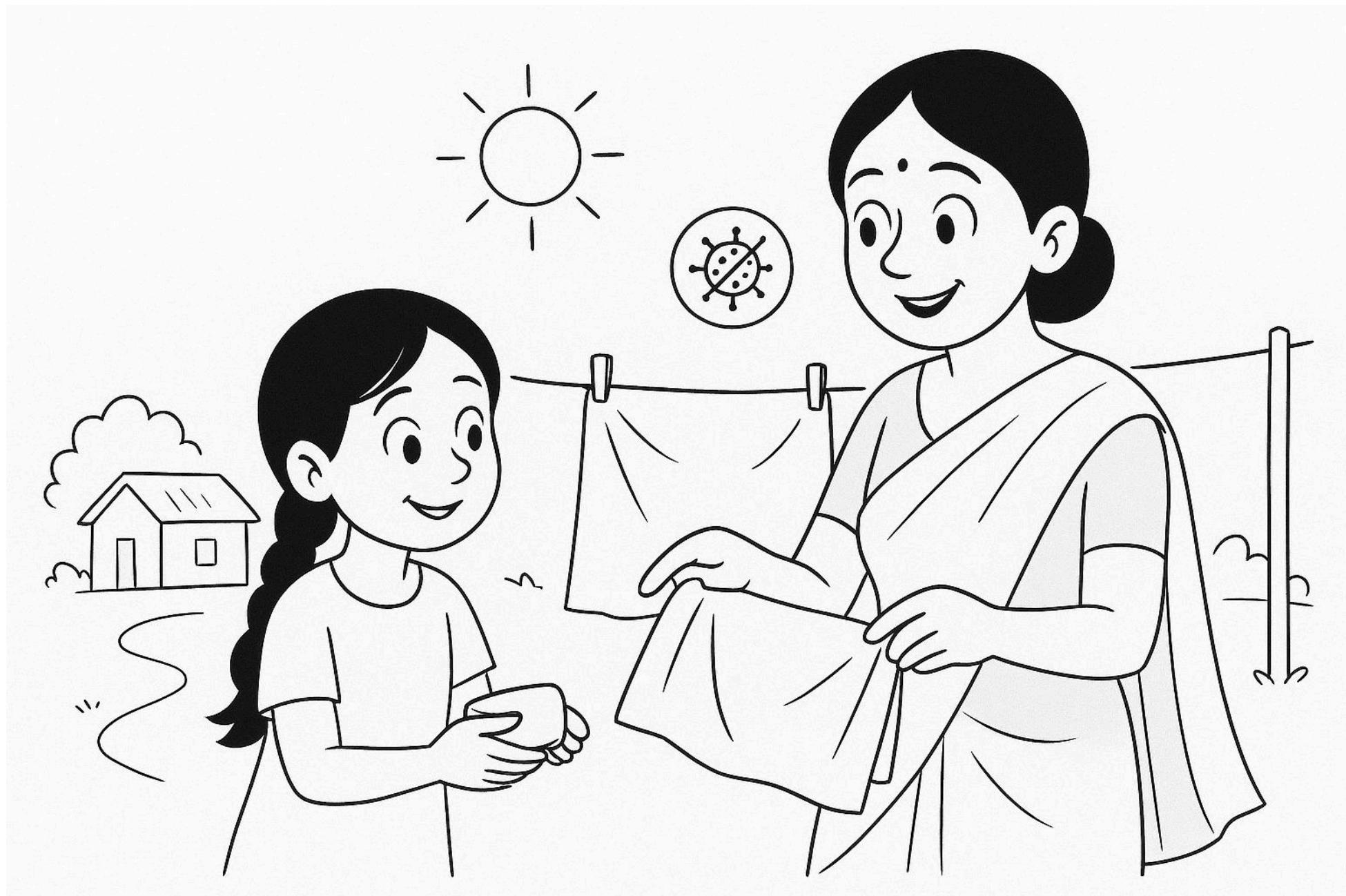
आौजि रीता आरी एशौ बी बोलौ कि एस
पैड़ेइ 4-6 गौन्टे बासियै बौदलुणौ बौरी
जौरुरी । नाइतै कोइ बीमारी बी फैली सौकै ।
गांन्दौ पैड इस्तेमाल कौरणै कौइ तौवियत
खौरा औई सौकै । एसमाइं हमेशाइ साफ
सुथरौ रौणै चाइं ।



तिंरी आमाइ बी काफी दियान थौं कि मीनै रौ
दौरम रै बौक्ते दि साबुण कौइ आथ दोणौ
जौरुरी चाइं। पैड बौदलुणै कौइ ओगौणिकै
ओजि तेसबासिये आथ दोणौ चाइं एसकौइ
बैकटीरिया फैलणै कौइ बौचिण।



रीता री आमाइ बोलौ कि इस्तेमाल कियौन्दौ
पैड़ेइ एक कागज़ पोरु लौपेटियौ कुड़ेदान दि
फिरकाणै चाइं। एस खुले दि औज़ि नाळिउँ
दि ना फिरकाइयौ। नाइतै आमारौ पर्यावरण
खौराब औयै। गाउँ दि एशौ सारिउँ कै
शिकाणौ ज़ौरुरी।



जौ केत्रा पैड ना औयै लौ तेत्रा साफ कौपड़ा
रौ इस्तेमाल कौरियौ, तेतबासियै तेस बौड़िया
कौइ दोइयौ शुकाइयौ, सेउ कौपड़ा रुड़ी
कौइ शुकाणै कौइ किटाणु पोरु मौरेण,
हमेशाइ साफ कौपड़ा लाइयौ ।



औज़ि तिंरी आमाइ बोलौ कि एज़ौ बौतेदि
पौष्टिक खाणौ खाणै चाइं । जैशौ फळ, शाग
औज़ि दूद । औज़ि ज़ादा पाणी पियौ औज़ि
आराम कौरौ । एसकौइ शौरीर मज़बुत रौयै ।



रीता के चेतावनी बी देणी कि कुछ लोग मानै
रौ दौरमेइ औशुद मानैण, पर ऐ लोगु री
गौलत सोच्च औयै। एऊ प्राकृतिक औयै।
औज़ि लौड़कियै केज़ौइ बी कामै कौइ
ना रुकदि।



ऐबै रीताइ बी एज़ि बुशै बौड़िया कौइ सौमज़ी
गोइ थी। तियै इस्कुलेदि बी आपड़ौ सैलिउं
आरी एसरै बारेदि बोलौ। तिउं बी शिकौ
साफ सुथरौ केशौ थौयैण। गाउं लौड़कियै बी
ऐबै जागरुक औई गोई थी।



रीताइ बी एबै एशौ ठाणी गोओ थौ कि आउँ
सारिउँ के मीनै रौ दौरम माइं सुरक्षित आदतुं
रै बारेदि शिकाउँ एसकोइ आमारौ स्वास्थ्य
बौडिया रौयै लौ औज़ि सौमाज बी मौज़बूत
बौणै लौ। बौडिया ज़िन्दगी ज़िणे खी स्वस्थ
रौणौ बौरी ज़ौरुरी औयै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्द कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,, धन्यवाद ,,,,,,,

